राजयोग मेडिटेशन द्वारा दैवी शक्ति का विकास – गौतम

आकर्षक प्रस्तुतिः रशिया के डिवाइन लाइट आर्ट एण्ड कल्चर ग्रुप द्वारा देशी धुनों पर मनोहारी प्रस्तुति

आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय में परमात्म शक्ति द्वारा महापरिवर्तन का समय विषय पर चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर अतिथियों द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेपाल के पूर्व मुख्य न्यायाधीश हरी प्रसाद गौतम ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा समाज व देश के उत्थान के लिए अनेकों कार्यक्रम सफलता पूर्वक चलाए जा रहे हैं। राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से हमारे अंदर दैवी शक्ति आने लगती है। अध्यात्म को अपनाकर हम अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं। यह संस्था मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाने का कार्य कर रही है।

बिहार उच्च न्यायालय के न्यायाधीश समरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मैं पहली बार 1980 में ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में आया था। मुझे यहां की गतिविधियों को नजदीक से देखने का अवसर पहली बार मिला। यहां के भाई–बहनों की सादगी, नम्रता अनुकरणीय है। यह संस्था अध्यात्म के माध्यम से समाज में भाईचारा लाने का प्रयास कर रही है। यहां आने पर मुझे आत्मा और परमात्मा के बारे में सत्य ज्ञान मिला। आत्मा के गुणों को हम मेडिटेशन के माध्यम से बढ़ा सकते हैं। इस तरह हम गलत कार्य करने से बच जाएंगे। हम अपने जीवन में जो गलतियां करते हैं उसे तो ठीक कर सकते हैं लेकिन उसका दाग हमारे मन में रह जाता है। इसलिए हमें कोई भी कार्य बहुत ही सोच–समझकर करना चाहिए।

संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि यदि हम भगवान से शक्तियां प्राप्त करना चाहते हैं तो इसके लिए हमें सबसे पहले स्वयं को पहचानना होगा। स्व की पहचान के बिना हमारा जीवन अधूरा है। आज का युग परिवर्तन का युग है।

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि हमें अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए जीवन–मूल्यों को धारण करना होगा। वैल्यूज हमारे जीवन के रक्षक हैं। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि राजयोग हमें जीवन जीने की कला सिखाता है। यह हमारे कर्मों का ज्ञान देकर मानव जीवन को सुखमय बनाने का मार्ग बताता है। संस्था के महासचिव एवं शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके निर्वैर ने कहा कि हमें अपनी शिक्षा में मूल्यों को शामिल करके शिक्षा के स्तर को उच्च बना सकते हैं। तभी हम होनहार युवा बना सकते हैं। शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्यंजय ने कहा कि हमें अपने देश को स्वच्छ बनाने से पहले हमें अपने मन के अंदर के प्रदूषण को दूर करना होगा।

इसके साथ ही रशिया की डिवाइन लाइट आर्ट एण्ड कल्चर ग्रुप द्वारा देशी धुनों पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। महाराष्ट्र के देवमुंद्रा ग्रुप द्वारा एवं आंध्र प्रदेश के मयुरी नृत्यशाला द्वारा नृत्य और पंजाब के स्काउट एण्ड गाइड द्वारा भांगड़ा प्रस्तुत किया गया।